व्याकरण ज्ञान 7

1. भाषा और व्याकरण

'भाषा' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की 'भाष्' धातु से हुई है जिसका अर्थ है स्पष्ट रूप से भाव बताना। इसलिए यह भाषा कहलाती है।

भाषा मनुष्य के विचारों की अभिव्यक्ति तथा भावों के आदान-प्रदान का साधन या माध्यम होती है।

शिक्षण-संकेत

- छात्रों से पूछें, भाषा किसे कहते हैं। छात्रों के विचार सुनें।
- भिन्न-भिन्न उदाहरणों द्वारा भाषा को विस्तार से समझाएँ।
- पूछें, यदि भाषा नहीं होती तो हम अपनी बात कैसे प्रकट कर पाते?
- भाषा के रूपों के बारे में बताते हुए छात्रों से मौखिक तथा लिखित भाषा रूप के उदाहरण बताने के लिए कहें।
- समझाएँ, लिपि किसे कहते हैं।
- लिपि समझाने के लिए ब्लैकबोर्ड पर हिंदी में कोई वाक्य लिखें, फिर वही वाक्य अंग्रेज़ी में भी लिखें। यदि कक्षा में किसी छात्र-छात्रा को कोई अन्य भाषा आती हो तो उनसे उस भाषा की लिपि में वाक्य लिखवाया जा सकता है।
- कुछ प्रमुख लिपियों के बारे में बताएँ।
- बताएँ, 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इसलिए प्रतिवर्ष इसी दिन हिंदी दिवस मनाया जाता है। बताएँ, हिंदी किन-किन प्रदेशों में बोली जाती है।
- व्याकरण तथा इसकी आवश्यकता के संबंध में छात्रों से पूछें तथा फिर उन्हें समझाएँ।
- सुनिश्चित करें कि छात्र पाठ में ध्यान दे रहे हैं।
- व्याकरण के भागों से अवगत कराते हुए इन पर चर्चा करें।
- मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।